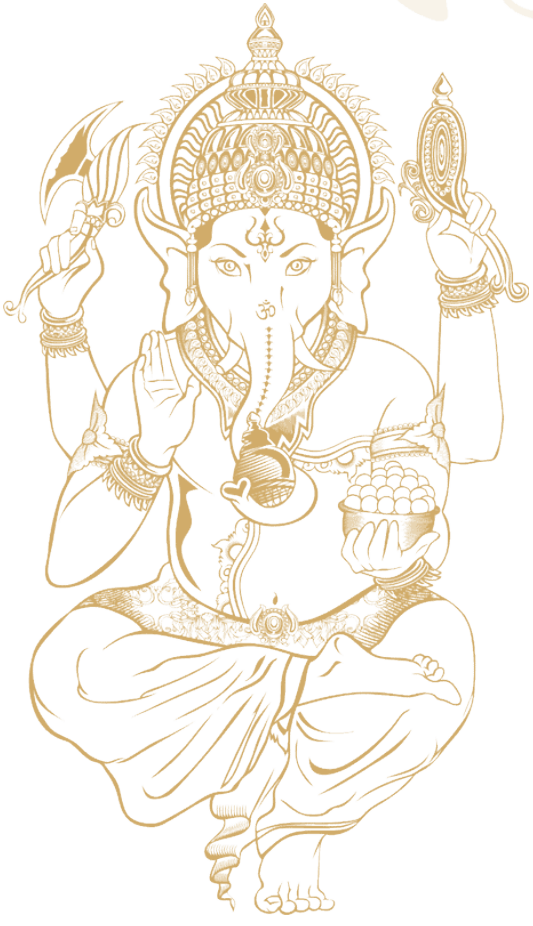

Neelam prajapati

08 Sep 2001

11:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121296302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**08/09/2001**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	12:23:30 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:02:17 घंटे
साम्पातिक काल	09:48:17 घंटे
सूर्योदय	06:02:36 घंटे
सूर्यास्त	18:34:31 घंटे
दिनमान	12:31:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:45:37 सिंह
लग्न के अंश	25:39:02 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ले-लेखा
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	25:39:02	307:06:11	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
सूर्य			सिंह	21:45:37	00:58:15	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	स्वराशि
चंद्र			मेष	21:13:54	12:32:21	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगल			धनु	05:51:46	00:30:23	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			कन्या	16:12:48	01:18:53	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु			मिथु	17:13:15	00:09:09	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	20:32:32	01:12:14	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			वृष	20:46:24	00:02:02	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	09:18:30	00:04:58	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	09:18:30	00:04:58	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	28:04:37	00:02:07	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप	व		मक	12:31:44	00:01:10	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	18:43:49	00:00:31	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			सिंह	00:53:59	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:33

लग्न-चलित

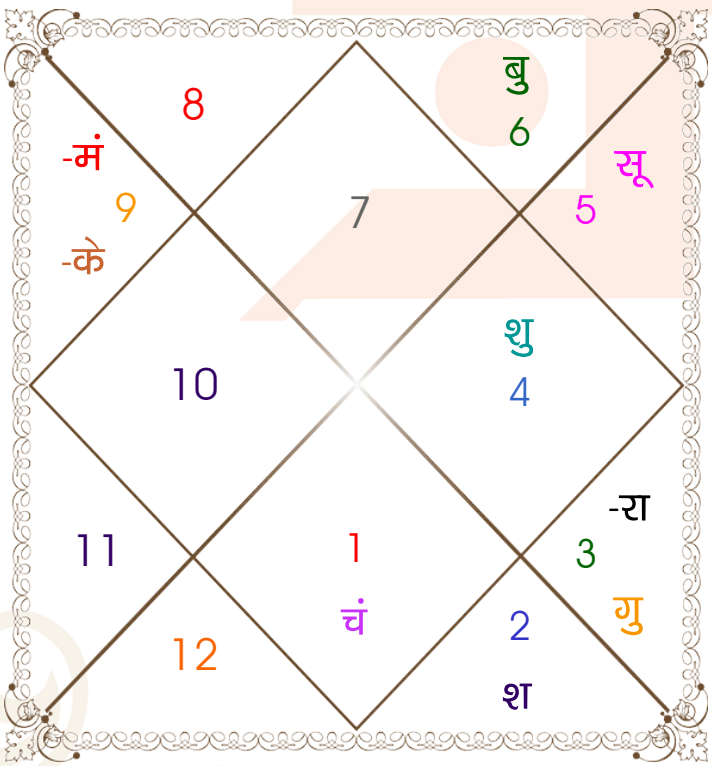

चन्द्र कुंडली

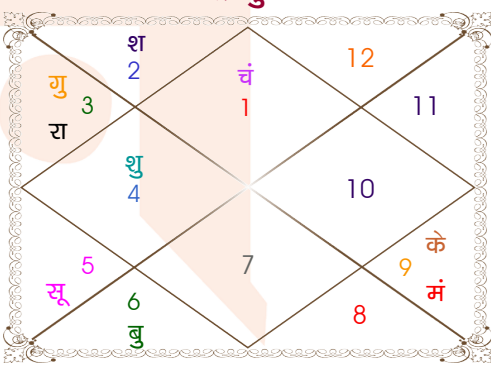

नवमांश कुंडली

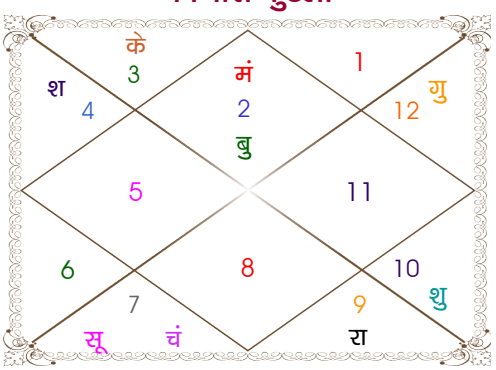

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 8 वर्ष 1 मास 25 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
08/09/2001		03/11/2009		03/11/2015		03/11/2025		02/11/2032	
03/11/2009		03/11/2015		03/11/2025		02/11/2032		03/11/2050	
	00/00/0000	सूर्य	20/02/2010	चंद्र	02/09/2016	मंगल	01/04/2026	राहु	17/07/2035
	00/00/0000	चंद्र	22/08/2010	मंगल	04/04/2017	राहु	19/04/2027	गुरु	09/12/2037
	00/00/0000	मंगल	28/12/2010	राहु	03/10/2018	गुरु	25/03/2028	शनि	15/10/2040
	00/00/0000	राहु	21/11/2011	गुरु	02/02/2020	शनि	04/05/2029	बुध	04/05/2043
	08/09/2001	गुरु	09/09/2012	शनि	03/09/2021	बुध	01/05/2030	केतु	22/05/2044
गुरु	03/09/2002	शनि	22/08/2013	बुध	02/02/2023	केतु	27/09/2030	शुक्र	23/05/2047
शनि	03/11/2005	बुध	28/06/2014	केतु	03/09/2023	शुक्र	27/11/2031	सूर्य	15/04/2048
बुध	02/09/2008	केतु	03/11/2014	शुक्र	04/05/2025	सूर्य	03/04/2032	चंद्र	15/10/2049
केतु	03/11/2009	शुक्र	03/11/2015	सूर्य	03/11/2025	चंद्र	02/11/2032	मंगल	03/11/2050

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/11/2050		03/11/2066		03/11/2085		04/11/2102		04/11/2109	
03/11/2066		03/11/2085		04/11/2102		04/11/2109		00/00/0000	
गुरु	21/12/2052	शनि	06/11/2069	बुध	31/03/2088	केतु	02/04/2103	शुक्र	05/03/2113
शनि	04/07/2055	बुध	16/07/2072	केतु	28/03/2089	शुक्र	01/06/2104	सूर्य	05/03/2114
बुध	09/10/2057	केतु	25/08/2073	शुक्र	27/01/2092	सूर्य	07/10/2104	चंद्र	04/11/2115
केतु	15/09/2058	शुक्र	24/10/2076	सूर्य	03/12/2092	चंद्र	08/05/2105	मंगल	03/01/2117
शुक्र	16/05/2061	सूर्य	06/10/2077	चंद्र	04/05/2094	मंगल	04/10/2105	राहु	04/01/2120
सूर्य	04/03/2062	चंद्र	08/05/2079	मंगल	01/05/2095	राहु	23/10/2106	गुरु	09/09/2121
चंद्र	04/07/2063	मंगल	15/06/2080	राहु	18/11/2097	गुरु	29/09/2107		00/00/0000
मंगल	09/06/2064	राहु	22/04/2083	गुरु	24/02/2100	शनि	06/11/2108		00/00/0000
राहु	03/11/2066	गुरु	03/11/2085	शनि	04/11/2102	बुध	04/11/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 8 वर्ष 1 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विश्वाखा नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं मिथुन राशि का द्रेष्काणा उदित था। इस जन्म प्रभाव से ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप बहुत चालाक एवं धूर्त महिला हैं। आप धन संचय करने में कोई अवरूद्धता नहीं चाहती। आप अपनी महत्वकांक्षा से संबंधित कार्य संपादन में एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपके जीवन की उज्वलता किसी भी प्रकार से निपटाएंगी। परंतु आपके जीवन का सर्वप्रथम 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वे वर्ष से 34 वें वर्ष तक का समय अति अनुकूल एवं प्रगतिकारक समय रहेगा।

आपके जीवन में धन उपार्जन से संबंधित दूर-दूर तक कतिपय संबंध रहेंगे। अर्थात् आपके संबंध धनोपार्जन में सहायक होंगे। आप अपने दिमाग को तथाकथित रूप से द्वि-पक्षीय रखकर प्रेरित करती हो तथा अपने धनकोष को विज्ञापित करके प्रस्तुत करती हो। आप सदैव अन्यों के प्रति इर्ष्या रखती हों तथा अपनी संपत्ति उर्पाजन के लिए सदैव प्रेरित रहती हो। आपकी शक्ति अन्यों की अपेक्षा अति उत्तम है।

आप निःसंदेह अति कुशाग्र बुद्धि की हैं तथा आपकी संलग्नता उज्वल भविष्य का प्रतीक है। आपको यह ज्ञात है कि अपना जीवन किस प्रकार व्यतीत करना चाहिए। परंतु आपका अड़ियल पन आपकी अपरिपक्वता की सूचना है। जन सामान्य आपके इस व्यवहार को पसंद नहीं करते। अतः कुछ व्यक्ति आपके प्रतिपक्षी हो जाते हैं। परंतु आपका दृढ़ रचनात्मक चरित्र आपका सहायक होकर विपक्षी को अंत समय में पराजित कर देते हैं। इस प्रकार वे लोग सदैव आपका तहेदिल से समर्थन करते हैं।

अतएव आप अच्छी प्रकार अपनी योजना की वास्तविकता को धीरे-धीरे कार्यान्वित करेंगी। इस प्रकार आप अपनी क्षतिग्रस्त राह को पुननिर्मित करें। यदि आप धैर्यपूर्वक अपने व्यवहार को समझ लें तो आप अत्यंत लाभ प्राप्त कर सकती हैं। आप अपने मित्रतापूर्ण व्यवहार हेतु सक्षम होकर अपनी लाभ जनक प्रवृति में वृद्धि करेंगी।

आपको अपने व्यवसाय एवं अपनी गृह व्यवस्था के प्रति युक्ति संगत होना चाहिए। आपको अपने आनंदप्रद गृह व्यवस्था हेतु अपने पति के साथ मतैक्यता रखनी चाहिए।

आप मात्र अपने जीवन संगी के साथ क्षणिक प्रेम संबंध न रखें। आपको सदैव ही नये प्रेम संबंध के प्रति संपर्क असंतोषजनक और अस्थायी है। अन्तोगत्वा आपको अपने प्रेम संबंध में समानता हेतु आश्वस्त होकर पारिवारिक जीवन को आनन्दमय बनाना चाहिए।

आप अपने व्यवसाय हेतु वैदेशिक पर्यटन एजेन्सी का व्यवहार कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय हेतु शेयर मार्केट का कार्य भी कर सकती हैं।

आपके विविध प्रकार के उत्तेजिक कार्यकलाप आपके वृद्धावस्था में रोगग्रस्त होने का सूचक है जिस वजह से आप कई प्रकार के रोगों से अक्रान्त हो सकती हैं। यथा मस्तिष्क रोग, ट्यूमर आदि रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतः आपको विधिवत अपने खान-पान के

संबंध अपने डाक्टर से सतत परीक्षण कराते रहना चाहिए।

आपके लिए अंकों में उपयुक्त अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक धनोपार्जन हेतु पूर्ण अनुकूल है। आपके लिए अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में रंग हरा एवं पीला रंग अनुपयुक्त हैं। आपके लिए रंग नारंगी एवं सफेद रंग मनभावन एवं शुभ है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।